नवभारत 03
इंदौर, शनिवार, 28 मार्च, 2026

श्रद्धा और उल्लास के साथ निकली भव्य श्रीराम रथ यात्रा

नवभारत न्यूज

खंडवा। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव, रामनवमी के पावन अवसर पर खंडवा शहर भक्ति और सामाजिक समरसता के रंग में सराबोर नजर आया। पिछले 28 वर्षों की गौरवशाली परंपरा को जीवंत रखते हुए, संयोजक डॉ मुनीश मिश्रा के नेतृत्व में बड़ाबम स्थित प्राचीन राम मंदिर से विशाल श्रीराम रथ यात्रा निकाली गई। इस यात्रा ने शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए एकता और सद्भाव का संदेश दिया।

भक्तिमय परिवेश और भव्य स्वागत : रथ यात्रा का शुभारंभ बड़ाबम से हुआ, जो कुम्हारवेड़ा, मालीकुंआ, बुधवारा, केवलराम चौक, बॉम्बे बाजार और घंटाघर विट्ठल मंदिर होते हुए बजरंग चौक स्थित राम मंदिर पहुँची। यात्रा में शामिल श्रद्धालु भक्ति के रंग में रंगे नजर आए; जहाँ पुरुष श्वेत वस्त्रों में थे, वहीं महिलाएँ केसरिया परिधान धारण कर प्रभु राम के भजनों पर मंत्रमुग्ध होकर चल रही थीं। यात्रा के आकर्षण का केंद्र जीवंत झाँकी रही, जिसमें पहली बार भगवान राम की भूमिका में शिल्पा दुबे, सीता के रूप में रश्मि दुबे, लक्ष्मण के रूप में रचना दुबे और बाल हनुमान के रूप में वियान त्रिवेदी ने जनमानस का मन मोह लिया।

मार्ग में जगह-जगह रथ यात्रा का आत्मीय स्वागत किया गया। बड़ाबम पर राजीव शर्मा परिवार, मालीकुंआ पर मुक्तिलाल नरेड़ी और बुधवारा में दीपू मिठाईवाले व वहीद चौधरी सहित विभिन्न वर्गों के लोगों ने पुष्पवर्षा कर सामाजिक समरसता की भावना को पुष्ट किया। घंटाघर चौक पर कान्यकुब्ज ब्राह्मण सखी मंडल द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

राम के आदर्शों को जीवन में उतारने का आह्वान: रथ यात्रा का समापन बजरंग चौक पर एक गरिमामयी धर्मसभा के रूप में हुआ। सभा को संबोधित करते हुए संयोजक डॉ. मुनीश मिश्रा ने कहा कि रामनवमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि श्रीराम के आदर्शों को राष्ट्र और समाज की नीति में उतारने का संदेश है। उन्होंने जोर दिया कि यदि लोकतंत्र और परिवार श्रीराम के सुशासन व मूल्यों से प्रेरणा लें, तो एक आदर्श राष्ट्र की कल्पना साकार हो सकती है।

मुंबई से पधारे कथावाचक पं. पुष्पहास महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि राम भारत की आत्मा हैं और रामनवमी मानवीय सभ्यता के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अवसर है। उन्होंने आह्वान किया कि जब व्यक्ति के भीतर 'राम' का जन्म होगा, तभी समाज में 'रामराज्य' की परिकल्पना सिद्ध होगी। कार्यक्रम का सफल संचालन और आभार प्रदर्शन समाजसेवी सुनील जैन ने किया।

अतिथियों का किया सम्मान भी

इस भव्य आयोजन में शहर के प्रबुद्ध जन और बड़ी संख्या में मातृशक्ति शामिल हुईं। प्रमुख रूप से लखनलाल नागोरी, अवधेश सिसोदिया, सुभाष नागोरी, डॉ. शुभांगी दवे मिश्रा, अंजना शुक्ला, प्रमिला शर्मा सहित कान्यकुब्ज सखी मंडल की सदस्य और अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बजरंग चौक परिवार के सदस्यों ने डॉ. मुनीश मिश्रा और अतिथियों का विशेष सम्मान कर कार्यक्रम को संपन्न किया।

एक नजर में

स्कूलों में ही बनेंगे विद्यार्थियों के आधार कार्ड
1 अप्रैल से शुरू होगा आधार विद्यालय के द्वार अभियान

खण्डवा। राज्य शिक्षा केन्द्र और स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के सहयोग से प्रदेश के स्कूलों में 'विद्यार्थियों के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार' अभियान का अगला चरण 1 अप्रैल से शुरू किया जा रहा है। 15 मई तक चलने वाले इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके विद्यालय परिसर में ही आधार नामांकन और बायोमेट्रिक अपडेट की सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें आधार केंद्रों के चक्कर न काटने पड़ें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि स्कूल शिक्षा विभाग की यह पहल मुख्य रूप से बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट पर केंद्रित है, जिसमें उंगलियों के निशान, आइरिस स्कैन और फोटो अपडेट करना शामिल है। नियमत: पहला अपडेट 5 वर्ष की आयु में और दूसरा 15 वर्ष की आयु में होना अनिवार्य है, जिसमें 15 से 17 वर्ष के बीच यह प्रक्रिया पूरी तरह नि:शुल्क रहेगी।

इस अभियान के प्रभावी संचालन के लिए पूरे प्रदेश में 500 से अधिक विशेष ऑपरेटर्स की नियुक्ति की गई है और सभी स्कूल प्रधानाध्यापकों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे यूडीआईएसई-प्लस पोर्टल के माध्यम से उन विद्यार्थियों की सूची तैयार करें जिनके आधार में अपडेट लंबित है। अपडेटेड बायोमेट्रिक्स वाला आधार कार्ड न केवल स्कूल प्रवेश और छात्रवृत्ति के लिए अनिवार्य है, बल्कि भविष्य में एनटीए, यूपीएससी, जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के फॉर्म भरने और परीक्षा केंद्रों पर सुगम प्रवेश के लिए भी इसकी अत्यंत आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, सरकार का लक्ष्य शत-प्रतिशत विद्यार्थियों की 'अपार आईडी' बनाना भी है, जो छात्र की एक स्थायी डिजिटल पहचान के रूप में कार्य करेगी और जिसमें उनकी सभी मार्कशीट, डिग्री और मार्कशीट डिजिटल रूप से सुरक्षित रहेंगी। अभिभावकों और शिक्षकों को सचेत किया गया है कि अपार आईडी के लिए स्कूल रिकॉर्ड और आधार कार्ड में दर्ज छात्र का नाम एक समान होना अनिवार्य है, अन्यथा भविष्य में डीबीटी और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाई हो सकती है।

खतरनाक उद्योगों में बाल श्रम पर पूर्ण प्रतिबंध

खण्डवा। मध्य प्रदेश शासन ने बाल श्रम और बंधुआ मजदूरी के विरुद्ध निर्णायक जंग छेड़ते हुए 14 से 18 वर्ष तक के बच्चों का खतरनाक उद्योगों एवं जोखिम भरी प्रक्रियाओं में नियोजन पूर्णत: प्रतिबंधित कर दिया है। श्रम पदाधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि 'श्रम स्टार रेटिंग' प्रणाली के अंतर्गत यदि किसी भी संस्थान में बाल श्रम अथवा बंधक श्रम का एक भी मामला पाया जाता है, तो जीरो टॉलरेंस नीति के तहत उस संस्थान को तत्काल 'शून्य अंक' देकर ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इस संबंध में प्रदेश के सभी श्रम अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि वे उन संस्थानों को तो प्रोत्साहित करें जहाँ बाल श्रमिक नियोजित नहीं हैं, लेकिन नियमों का उल्लंघन करने वालों पर बिना किसी रियायत के कठोरतम दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

बाल श्रम के समूल उन्मूलन के लिए श्रम विभाग द्वारा 'वेदा पहल' के अंतर्गत सतत निगरानी रखी जा रही है और टोल-फ्री चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर प्राप्त होने वाली हर शिकायत की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है। कानूनी प्रावधानों के तहत बाल श्रम प्रतिषेध एवं विनियमन अधिनियम, 1986 के दोषी पाए जाने पर नियोक्ताओं को 20 हजार से 50 हजार रुपये तक का जुर्माना और 6 माह से 2 वर्ष तक के कठोर कारावास की सजा भुगतनी होगी, जबकि बंधक श्रम पद्धति अधिनियम के अंतर्गत 3 वर्ष तक की जेल का प्रावधान है। पीड़ितों के पुनर्वास के लिए केंद्र प्रवर्तित योजना 2021 के तहत वयस्क पुरुष श्रमिकों को 1 लाख, महिला व अनाथ बच्चों को 2 लाख तथा मानव तस्करी के पीड़ितों को 3 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान करने के साथ-साथ प्रत्येक जिले में विशेष 'कार्पस फंड' का गठन भी किया गया है ताकि शोषित बच्चों और श्रमिकों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

बिजली बिल वृद्धि के विरोध में कांग्रेस का लालटेन प्रदर्शन

खंडवा। मध्यप्रदेश में बिजली की दरों में प्रस्तावित वृद्धि के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने गुरुवार को गांधी भवन में अनोखा प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष (ग्रामीण) उत्तमपाल सिंह और शहर अध्यक्ष प्रतिभा रघुवंशी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने हाथों में लालटेन लेकर सांकेतिक बैठक की और प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस नेताओं ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के 'अमृत काल' में जनता 'पाषाण युग' की ओर लौट रही है, जहाँ बिजली के भारी भरकम बिलों के कारण लोग फिर से लालटेन युग में जीने को मजबूर हैं।

प्रतिभा रघुवंशी ने कहा कि नोटबंदी और पेट्रोल-डीजल की महंगाई के बाद अब बिजली के 'करंट' ने आम जनता, विशेषकर महिलाओं के किचन का बजट बिगाड़ दिया है। उत्तमपाल सिंह ने चेतावनी दी कि यदि बढ़ी हुई दरें वापस नहीं ली गईं, तो कांग्रेस उग्र जनआंदोलन करेगी। जिला प्रवक्ता प्रेमांशु जैन ने कहा कि सरकार की गलत आर्थिक नीतियों का खामियाजा गरीब भुगत रहा है। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष दीपक राठौर, मनोज मंडलोई, विशाल जैन सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित थे, जिन्होंने एकजुट होकर जनता के हित में संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

कलेक्टर और विधायक ने पुस्तक मेले का किया निरीक्षण, व्यवस्थाएं जांची

नवभारत न्यूज

खंडवा। आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए नर्सरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों की सुविधा हेतु खंडवा के सूरजकुंड स्थित पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित 5-दिवसीय 'पुस्तक मेले' का शुक्रवार को कलेक्टर ऋषव गुप्ता और विधायक कंचन मुकेश तन्वे ने विस्तृत निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने आयोजन स्थल पर मौजूद पुस्तक विक्रेताओं और अभिभावकों से संवाद कर पाठ्यपुस्तकों, अभ्यास पुस्तिकाओं एवं अन्य स्टेशनरी सामग्री की उपलब्धता तथा उन पर दी जाने वाली छूट के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि मेले में आने वाले विद्यार्थियों एवं उनके पालकों को विशेष डिस्काउंट का लाभ देते हुए उचित मूल्य पर ही शिक्षण सामग्री प्रदान की जाए। उन्होंने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विक्रेताओं को आदेशित किया कि वे अपने स्टॉल पर स्पष्ट रूप से फ्लेक्स या ड्राइंग शीट के माध्यम से यह प्रदर्शित करें कि वहां किन-किन स्कूलों की पुस्तकें उपलब्ध हैं, साथ ही प्रत्येक काउंटर पर कक्षावार पुस्तकों की सूची भी अनिवार्य रूप से रखी जाए।

जिला शिक्षा अधिकारी पीएस सोलंकी ने बताया कि इस मेले में 16 प्रमुख स्टेशनरी स्टोर्स द्वारा स्टॉल लगाए गए हैं और अब तक लगभग 260 पालकों व विद्यार्थियों ने यहाँ से खरीदारी की है। स्टेशनरी सामग्री पर मिल रहे उचित डिस्काउंट को लेकर पालकों ने भी प्रसन्नता व्यक्त की है। यह पुस्तक मेला 30 मार्च तक जिमखाना ग्राउंड के पास निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

लापरवाह अधिकारियों पर कलेक्टर की कार्रवाई, 10 अधिकारियों से वसूला अर्थदंड

खंडवा। जनसमस्याओं के निराकरण में ढिलाई बरतने वाले सरकारी अमले के खिलाफ खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी दंडात्मक कार्रवाई की है। सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज शिकायतों को अटेंड न करने और उन्हें नॉट अटेंड की श्रेणी में छोड़ने वाले एल-1 स्तर के कुल 10 अधिकारियों पर 500-500 रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। प्रशासन की इस कड़क कार्रवाई के तहत न केवल जुर्माना ठोंका गया, बल्कि तत्काल प्रभाव से अर्थदंड की राशि भी वसूल ली गई है। उल्लेखनीय है कि इन सभी अधिकारियों को पहले कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था, लेकिन संतोषप्रद स्पष्टीकरण न मिलने के कारण अंतत: अनुशासनात्मक कार्रवाई की गाज गिरी। कलेक्टर गुप्ता ने दो टूक शब्दों में जिले के समस्त विभाग प्रमुखों को चेतावनी दी है कि जनता की शिकायतों को पोर्टल पर प्राप्त होते ही तुरंत अटेंड किया जाए और निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका लिखित जवाब दर्ज हो।

पारिवारिक विवाद को लेकर पुलिस टॉवर पर चढ़ा नशेड़ी युवक

नवभारत न्यूज

खंडवा। शहर के सिटी कोतवाली परिसर में शुक्रवार तड़के एक युवक पारिवारिक विवाद के चलते पुलिस कंट्रोल रूम के टावर पर चढ़ गया। सूरजकुंड निवासी दादू पिता सुरेश ने टावर पर चढ़कर खुद की गर्दन पर धारदार वस्तु से हमला भी किया, जिससे वह घायल हो गया। सुबह करीब 7 बजे सीएसपी अभिनव बारंगे ने युवक को समझाइश देकर नीचे उतारा और जिला अस्पताल भेजा।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि युवक अपनी विधवा फुफेरी बहन पर शादी करने का दबाव बना रहा था। युवक की बुआ का आरोप है कि उनकी बेटी को पति की मौत के बाद 7 लाख रुपए की क्लेम राशि मिली है, जिसे हड़पने के लिए दादू यह दबाव बना रहा है। परिजनों के अनुसार, दादू नशे का आदी है और उसने रात में परिवार के साथ मारपीट भी की थी। जब परिजन शिकायत करने थाने पहुंचे, तो पुलिस कार्रवाई के डर से उसने टावर पर चढ़कर यह ड्रामा किया।

पूछताछ के दौरान युवक ने दावा किया कि उसकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है, इसलिए उसने यह कदम उठाया। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद युवक पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मंदिरों में जागरूकता रंगोलियों ने खींचा श्रद्धालुओं का ध्यान

नवभारत न्यूज

खंडवा। मुख्यमंत्री शहरी स्वच्छता संकल्प महाअभियान के अंतर्गत आज रामनवमी के पावन पर्व पर भक्ति के साथ स्वच्छता का संदेश भी गूंजा। शहर के प्रमुख सिद्ध मंदिरों में जन-जागरूकता के उद्देश्य से आकर्षक रंगोलियां बनाई गईं, जिनका मुख्य विषय 'स्वच्छता' और '3R' रिड्यूस, रीयूज, रिसायकल रहा। इस नवाचार के माध्यम से धर्म लाभ लेने पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं को कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। नगर निगम द्वारा भवानी माता मंदिर, रामेश्वर मंदिर, बड़ा बम राम मंदिर और घंटाघर चौक स्थित हनुमान मंदिर परिसर में विशेष रूप से इन रंगोलियों का निर्माण कराया गया था। इन कलाकृतियों के जरिए नागरिकों को संदेश दिया गया कि वे न केवल अपने घरों को बल्कि सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों को भी स्वच्छ रखें। रंगोलियों में सूखे और गीले कचरे के पृथक्करण के साथ-साथ संसाधनों के पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण के महत्व को बखूबी दर्शाया गया।

मंदिरों में दर्शन के लिए उमड़े जनसैलाब ने नगर निगम के इस प्रयास की मुक्त कंठ से सराहना की। विशेष आकर्षण का केंद्र बड़ा बम राम मंदिर रहा, जहाँ से निकलने वाली विशाल राम यात्रा में सम्मिलित श्रद्धालुओं ने इन जागरूकता रंगोलियों के साथ फोटो और सेल्फी लेकर सोशल मीडिया के माध्यम से स्वच्छता का संदेश प्रसारित किया। नगर निगम प्रशासन के अनुसार, मुख्यमंत्री शहरी स्वच्छता संकल्प महाअभियान के तहत ऐसी गतिविधियां निरंतर जारी रहेंगी ताकि स्वच्छता केवल एक अभियान न रहकर नागरिकों की जिम्मेदारी और संस्कार बन सके।

रामनवमी पर रहा पुलिस का कड़ा पहरा

नवभारत न्यूज

खंडवा। जिला मुख्यालय खंडवा में श्री रामनवमी के पावन पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए हैं। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय के निर्देशन में शहर के चप्पे-चप्पे पर 600 से अधिक पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। इस सुरक्षा कमान में प्रशिक्षु आईपीएस अमित कुमार, नगर पुलिस अधीक्षक अभिनव कुमार बारंगे, सहित जिले के सभी प्रमुख राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी और होमगार्ड के जवान शामिल हैं।

हिन्दू समुदाय द्वारा शहर में निकाली जाने वाली शोभायात्रा और जुलूस के मद्देनजर संवेदनशील स्थानों पर विशेष सुरक्षा बल लगाया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कहारवाडी चौक, जलेबी चौक, शिवाजी चौक और बड़ाबम चौक जैसे प्रमुख चौराहों पर कॉम्पेक्ट प्लाटून तैनात की गई हैं। इसके साथ ही मोबाइल पेट्रोलिंग, मोटरसाइकिल पार्टी और ऊंची इमारतों पर फिक्स पिकेट्स के माध्यम से सतत निगरानी रखी जा रही है। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक पुलिस का अतिरिक्त बल भी तैनात किया गया है।

तकनीकी निगरानी के लिए खंडवा पुलिस सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन और व्योम वाहन का उपयोग कर रही है, जिससे शरारती तत्वों और भीड़ पर बारीक नजर रखी जा सके। पुलिस प्रशासन ने सभी नगरवासियों से अपील की है कि वे रामनवमी का यह त्यौहार आपसी प्रेम, शांति और सौहार्द के साथ मनाएं और कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

अध्यक्ष संजय सभनानी सहित सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुने

नवभारत न्यूज

खंडवा। सिंधी सेवा मंडली की चुनावी प्रक्रिया संपन्न हुई,जिसमें अध्यक्ष संजय सभनानी निर्विरोध चुन लिए गए।

सिंधी सेवा मंडली प्रवक्ता कमल नागपाल और समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया के लिए निर्धारित समय अवधि तक समस्त पदों के लिए एक एक नामांकन प्राप्त हुए,सर्व सम्मति से सभी 6 पदाधिकारी चुन लिए गए।

जिसमें अध्यक्ष संजय सभनानी के साथ ही हरेश कुमार संतवानी और शंकरलाल आसवानी उपाध्यक्ष, प्रकाश आहूजा सचिव,पवन वासवानी सह सचिव और मनोज गेलानी कोषाध्यक्ष घोषित हुए।चुनाव अधिकारी मोहन दीवान और सहायक चुनाव अधिकारी अनिल आरतानी ने सभी पदाधिकारियों के निर्विरोध चुने जाने की विधिवत घोषणा की।निवर्तमान अध्यक्ष मेठाराम पिंजानी ने कहा कि सभी पदाधिकारियों को बिना किसी विरोध के चुन लिया जाना हर्ष का विषय है।शेष कार्यकारिणी की घोषणा अतिशीघ्र होगी।प्रवक्ता कमल नागपाल ने कहा कि संस्था के सभी सदस्यों में अपार हर्ष व्याप्त है।सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुन लिए गए हैं, सभी सदस्यों ने बधाई दी है।

भगवान महावीर का जन्मोत्सव 30 मार्च को

खंडवा। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की जन्म जयंती 30 मार्च को खंडवा में सकल जैन समाज द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। महोत्सव का शुभारंभ सोमवार प्रात: 5:30 बजे सराफा स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर से निकलने वाली प्रभात फेरी से होगा। तुलसी उद्यान पहुँचने पर अतिथि वीरेंद्र कुमार जैन, विनोदिनी जैन एवं सुभद्रा बाई जैन द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा, जिसके पश्चात प्रफुल्ल कुमार जैन द्वारा प्रभावना वितरण होगा। समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि मुख्य रथ यात्रा प्रात: 8 बजे सराफा मंदिर से प्रारंभ होकर रामगंज, बुधवारा और बॉम्बे बाजार होते हुए घंटाघर स्थित कीर्ति स्तंभ पहुँचेगी। यहाँ एसडीएम ऋषि सिंघई, डॉ. सुभाष जैनी एवं सुरेशचंद लोहाड़िया द्वारा झंडा वंदन किया जाएगा। इसके बाद यात्रा घासपुरा स्थित महावीर मंदिर और नमिनाथ श्वेतांबर जैन मंदिर में सामूहिक आरती करते हुए पुन: सराफा मंदिर लौटेगी। दोपहर 11 बजे पोरवाड़ धर्मशाला में अभिषेक-पूजन होगा, जिसके पश्चात अग्रवाल धर्मशाला में सकल जैन समाज एवं जैन सोशल ग्रुप के सौजन्य से 'स्वामी वात्सल्य' भोज आयोजित किया जाएगा। मीडिया प्रभारी प्रेमांशु चौधरी ने समाजजनों से श्वेत एवं केसरिया वस्त्रों में शामिल होने की अपील की है।

खेत-खलिहानों में बिजली से खिलवाड़ पड़ेगा भारी

खण्डवा। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के अवैध उपयोग और असावधानी के कारण होने वाली अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए विद्युत वितरण कंपनियों ने सुरक्षा अलर्ट जारी किया है।

कंपनी ने आगाह किया है कि विद्युत लाइनों, उपकरणों या खंभों के साथ किसी भी प्रकार की छेड़खानी न केवल जानलेवा साबित हो सकती है, बल्कि ऐसा करना विद्युत अधिनियम 2003 के अंतर्गत एक गंभीर दण्डनीय अपराध भी है। अक्सर देखा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के तारों से छेड़छाड़ या लापरवाही के कारण बड़े स्तर पर जान-माल का नुकसान होता है, जिसे रोकने के लिए अब प्रशासन और बिजली कंपनी ने सख्ती बरतने का मन बना लिया है।

विशेष रूप से किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपने खेतों और खलिहानों में ऊँची घास की गंजी, कटी हुई फसल की ढेरियां, झोपड़ी या तंबू बिजली की लाइनों के ठीक नीचे या उनके अत्यंत समीप न बनाएं। इसके साथ ही, विद्युत लाइनों के नीचे से अनाज या भूसे से लदी ऊँची गाड़ियाँ निकालने पर पूर्णत: प्रतिबंध की चेतावनी दी गई है, क्योंकि इससे 'शॉर्ट सर्किट' के कारण भीषण आग लगने का खतरा बना रहता है। कंपनी ने नागरिकों से अपील की है कि आंधी-तूफान या अन्य कारणों से टूटे हुए बिजली के तारों को कदापि न छुएं और ऐसी स्थिति में तत्काल निकटतम विद्युत कार्यालय या लाइनमैन को सूचित करें। बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी सख्त हिदायत दी गई है कि उन्हें बिजली की लाइनों में फंसी पतंग या लंगर निकालने के लिए खंभों पर न चढ़ने दें, क्योंकि यह जानलेवा हो सकता है। बिजली कंपनी ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा नियमों का पालन ही दुर्घटनाओं से बचने का एकमात्र उपाय है और लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।